अडानी ग्रीन ने राजस्थान में 180 मेगावाट का सौर संयंत्र शुरू किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अडानी ग्रीन एनर्जी ने राजस्थान के जैसलमेर के देवीकोट में **180 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र** की शुरुआत की गई।

मुख्य बिंदु:

- संयंत्र का सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (SECI), भारत की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (AGEL) के साथ 25 साल का पावर परचेज़ एग्रीमेंट है।
- यह सालाना लगभग 540 मिलियन विद्युत् इकाइयों का उत्पादन करेगा तथा 1.1 लाख से अधिक घरों को बिजली प्रदान कर लगभग **0.39 मिलियन टन CO2 उत्सर्जन** को कम करेगा।
    - मॉड्यूल की बेहतर दक्षता के साथ पूरे दिन सूर्य पर नज़र बनाए रखने के माध्यम से उत्पादन को अधिकतम करने के लिये **नेक्स्ट जनरेशन बाइफेशियल सोलर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल और हॉरिज़ॉन्टल सिंगल एक्सिस सोलर ट्रैकर्स (HSAT)** को तैनात किया गया है।
        - ट्रैकिंग सिस्टम द्वारा सूर्य के प्रकाश की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिये HSAT का उपयोग किया जाता है।
- यह संयंत्र **जलरहित रोबोटिक मॉड्यूल** सफाई प्रणालियों से सुसज्जित है, जो जैसलमेर के बंजर क्षेत्र में जल संरक्षण **को सक्षम** बनाता है।

पावर परचेज़ एग्रीमेंट (PPA)

- यह आमतौर पर एक विद्युत उत्पादक, सरकार या कंपनी के मध्य एक **दीर्घकालिक अनुबंध होता** है।
- PPA आमतौर पर 5 से 20 वर्ष के मध्य रहता है, इस दौरान विद्युत् खरीदार पूर्व-बातचीत कीमत पर ऊर्जा खरीदता है।
- इस तरह के समझौते स्वतंत्र रूप से स्वामित्व वाले (यानी, उपयोगिता के स्वामित्व वाले नहीं) **विद्युत् उत्पादक विशेष रूप से सौर फार्म या पवन फार्म** जैसे नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादकों के **वित्तपोषण में महत्त्वपूर्ण** भूमिका निभाते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/adani-green-commissions-180-mw-solar-plant-in-rajasthan